>

Title: Regarding Village Health Guides in the country.

श्री भक्त चरण दास (कालाहांडी): महोदय, एक बहुत ही संवेदनशील समस्या है। ओडिशा के करीब 35000 विलेज हेल्थ गाइड्स को आज तक दो साल की सैलरी नहीं मिली है और वे 35000 वीएचजी आज गरीबी और लाचारी की हालत में जी रहे हैं।

महोदय, हमारे देश में करीब 5,93,731 गांव हैं जिनमें 100 से लेकिर 3000 तक आबादी है। हमारी हेल्थ व्यवस्था गांवों में नहीं हो पाने के कारण हमारे देश में आज भी पर्याप्त डाक्टर्स नहीं हैं, मेडिकल कॉलेजेज नहीं है, हॉस्पिटल्स नहीं हैं, नर्सिंग कॉलेजेज नहीं हैं, फार्मास्यूटिकल कॉलेज नहीं हैं, डिसपेंसरीज नहीं हैं, सब-सेंटर्स नहीं हैं, इसीलिए साधारण स्वास्थ्य व्यवस्था को गांवों तक पहुंचाने के लिए आशा कर्मचारियों की व्यवस्था की गयी। उसी तरह से 1996 से 2001-2002 तक विलेज हैल्थ गाइड की जो योजना चली, उसमें देश में करीब साढ़े तीन लाख लोग काम कर रहे थे। ओड़िशा में 35,000 और मेरे संसदीय क्षेत्र में 1078 विलेज हैल्थ गाइड्स काम कर रहे थे। जब एनआरएचएम योजना आई तो पूरे देश के वीएचजी को उसमें नियोजित किया गया, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि ओड़िशा में काम कर रहे विलेज हैल्थ गाइड्स को समाहित नहीं किया गया। उन्हें दो साल का वेतन भी अभी तक नहीं मिला है। ओड़िशा में जो 35,000 वीएचजी काम कर रहे हैं, जिन्हें दो साल का वेतन नहीं मिला है, जो करीब तीन करोड़ रुपए बैठता है, प्रदेश सरकार ने भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग को इस बारे में पत्र भी लिखा है। इसलिए मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग से निवेदन करना चाहता हूं कि इन वीएचजी को जो दो साल का वेतन नहीं मिला है, जो भुखमरी की कगार पर हैं, तुंत राज्य सरकार को अनुदान दिया जाए। इसके अलावा एनआरएचएम के तहत उनके नियोजन की व्यवस्था करने के लिए भारत सरकार राज्य सरकार को निर्देशित करे।